शुक्रवार
24 जून 2022

पृष्ठ 4

मानसून के दौरान रोजाना करें ये इंडोर एक्सरसाइज, रहेंगे एकदम फिट

पृष्ठ 5

भावपूर्ण किरदारों के मिलने से खुश हैं नुसरत भरुचा

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 141
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

विश्वविद्यालय महापुरुषों के निर्माण के कारखाने हैं और अध्यापक उन्हें बनाने वाले कारीगर हैं।

– रवींद्र

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी मुर्मू ने भरा नामांकन पत्र

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। एनडीए की राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी द्रोपदी मुर्मू ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इससे पूर्व द्रोपदी मुर्मू ने राजघाट जाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धा सुमन समर्पित किए।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित तमाम भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी उनके नामांकन पत्र भरने के दौरान मौजूद रहे। वहीं एनडीए के तमाम सहयोगी दलों के नेताओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यूपीए द्वारा राष्ट्रपति पद के लिए पूर्व भाजपा नेता यशवंत सिन्हा को चुनाव मैदान में

❑प्रधानमंत्री मोदी बने पहले प्रस्तावक
❑भाजपा ने किया शक्ति प्रदर्शन

उतारे जाने से राष्ट्रपति का वर्तमान चुनाव दिलचस्प हो गया है यही कारण है कि आज एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू के नामांकन के दौरान भाजपा ने शक्ति प्रदर्शन में कोई कमी उठाकर नहीं रखी गई। प्रधानमंत्री मोदी उनके पहले प्रस्तावक बने वही अमित शाह और राजनाथ सिंह ने उनका अनुमोदन किया।

इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, ◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

धामी ने मुर्मू को प्रत्याशी बनाने पर पीएम का आभार जताया

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी घोषित कर यह सिद्ध कर दिया है कि भाजपा महिलाओं और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण के लिए समर्पित है।

उन्होंने कहा कि द्रौपदी मुर्मू एक अति पिछड़े और आदिवासी क्षेत्र से आती है। उन्होंने आदिवासियों के उत्थान के लिए सराहनीय कार्य किए हैं। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने एक आदिवासी समुदाय की महिला को इस अति सम्माननीय पद के लिए चुना है।

नाबालिक छात्रा के साथ दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

हमारे संवाददाता

देहरादून। नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एक व्यक्ति द्वारा थाना कालसी पर तहरीर देकर बताया गया कि उसकी नाबालिक पुत्री को एक व्यक्ति जिसका नाम साहिल है तथा जो हरिपुर का रहने वाला है के द्वारा बहला-फुसलाकर अश्लील हरकतें करने तथा करीब एक महीना पूर्व उसके साथ दुराचार करने व किसी को बताने पर उसको व उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गयी है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। इस बीच पुलिस को जानकारी मिली कि उक्त दुष्कर्म का आरोपी देर रात अपने घर की तरफ आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान की घेराबंदी कर दुष्कर्म के आरोपी साहिल को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ पर आरोपी साहिल ने

बताया की वह कक्षा 9 तक पढ़ा है तथा हरिपुर कालसी का ही रहने वाला है कई वर्षों से ट्रैक्टर पर ड्राइविंग का काम करता है अब से करीब 3 महीने पहले हरिपुर विद्यालय में पढ़ने वाली लड़की से दोस्ती की और अब से करीब एक महीना पूर्व उसके घर गया और उसके साथ दुष्कर्म किया, कल दिनांक 23 जून को भी दिन में इसके द्वारा लड़की को डरा धमका कर छिबरो विद्युत गृह की तरफ बुलाया गया और जबरदस्ती उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा तभी मौके पर लड़की के भाई पहुंच गए उनको देखकर मैं वहां से फरार हो गया। रात होने पर जब मै घर जा रहा था तो पुलिस द्वारा मुझे पकड़ लिया गया।

अग्निवीर पेंशन के हकदार नहीं तो जनप्रतिनिधियों को यह सहूलियत क्यूँ?

नई दिल्ली । अग्निपथ योजना को लेकर बीजेपी सांसद वरुण गांधी अपनी ही सरकार के खिलाफ तल्ख रूख अपनाए हुए हैं। सेना में भर्ती की नई योजना के तहत चार साल की देशसेवा के बाद अग्निवीरों को पेंशन नहीं दिए जाने को लेकर वरुण गांधी ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्ररक्षकों को पेंशन का अधिकार नही है तो मैं भी खुद की पेंशन छोड़ने को तैयार हूँ। बीजेपी सांसद ने ट्वीट करते हुए लिखा, अल्पावधि की सेवा करने वाले अग्निवीर पेंशन के हकदार नही हैं तो जनप्रतिनिधियों को यह 'सहूलियत' क्यूँ? राष्ट्ररक्षकों को पेन्शन का अधिकार नहीं है तो मैं भी खुद की पेंशन छोड़ने को तैयार हूँ। क्या हम विधायक/सांसद अपनी पेंशन छोड़ यह नही सुनिश्चित कर सकते कि अग्निवीरों को पेंशन मिले? इससे पहले भी वरुण गांधी अग्निपथ को लेकर अपनी ही सरकार को घेर चुके हैं। उन्होंने हाल ही में प्रदर्शन कर रहे युवाओं को शांतिपूर्ण तरीके से हक की आवाज उठाने की सलाह दी थी।

देश में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी, एक दिन में 17 हज़ार से ज्यादा नए केस दर्ज

नई दिल्ली । भारत में पिछले २४ घंटे में सामने आए कोरोना वायरस के मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। देश में एक दिन में कोरोना के १७ हज़ार से ज्यादा नए मरीज सामने आए है। कोविड–१९ के बढ़ते मामलों के चलते एक्टिव केस की संख्या में ज़बरदस्त इजाफा हुआ है।

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले २४ घंटे में कोरोना वायरस के १७,३३६ नए केस सामने आए हैं। जिसके बाद देश में अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर ४,३३,६२,२६४ हो गई है। बीते एक दिन में कोरोना से १३ १३ और मरीजों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर ५,२४,६५४ हो

गई। देश में कोविड–१९ के एक्टिव केस की संख्या बढ़कर ८८,२८४ हो गई है, जो कुल मामलों का ०.२० प्रतिशत है। पिछले २४ घंटे में एक्टिव केस की संख्या में ४,२६४ की बढ़ोतरी हुई है। अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर ६८.५६ प्रतिशत है।

दैनिक संक्रमण दर ४.३२ प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर ३.०७ प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल ४,२७,४६,०५६ लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड–१९ से मृत्यु दर १.२१ प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड–१९ रोधी टीकों की १९६.७७ करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं।गौरतलब है कि देश में सात अगस्त २०२० को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त २०२० को ३० लाख और पांच सितंबर २०२० को ४० लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले १६ सितंबर २०२० को ५० लाख, २८ सितंबर २०२० को ६० लाख, ११ अक्टूबर २०२० को ७० लाख, २६ अक्टूबर २०२० को ८० लाख और २० नवंबर को ९० लाख के पार चले गए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

और कितने रामविलास?

भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे आईएएस अफसर रामविलास यादव अपनी सेवानिवृत्ति से एक सप्ताह पहले जेल पहुंच गए। एक दिन पहले ही सरकार ने उन्हें निलंबित भी कर दिया था। रामविलास यादव के खिलाफ की गई कार्रवाई को सूबे की भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा बता कर खुद ही अपनी पीठ थपथपाने में लगी है। रामविलास यादव के खिलाफ विजिलेंस को मुकदमा दर्ज करने की अनुमति देकर तथा उन्हें निलंबित कर सत्ता में बैठे लोगों को यह लग रहा है कि जैसे उन्होंने कोई बड़ी लड़ाई जीत ली है और राज्य से भ्रष्टाचार का समूल नाश कर डाला है। भ्रष्टाचार यूं तो ऐसी एक राष्ट्रीय समस्या है जिसका निदान असंभव है। लेकिन अगर बात उत्तराखंड की की जाए तो राज्य गठन से लेकर अब तक सैकड़ों बड़े भ्रष्टाचार के मामले खबरों की सुर्खियों में रह चुके हैं। सूबे के लोगों को भले ही अब उन भ्रष्टाचार घोटालों के नाम भी याद न रहे हो जिन्हें चुनावी मुद्दा बनाकर भाजपा और कांग्रेस के नेता एक दूसरे की बखिया उधेड़ा करते थे। पोलिंग बूथ तक जाने वाले रास्तों पर इन घोटालों की सूचियों के बैनर लगाए जाते थे। और यह बताने की कोशिशें की जाती थी कि हमारे शासनकाल में उनके शासनकाल की तुलना से बहुत कम घोटाले हुए। खास बात यह है कि नेताओं और पार्टियों के नाम लिखें या दर्ज घोटालों में अधिकारियों के नाम नहीं होते थे। लेकिन यह सर्व विदित है कि इन घोटालों को अंजाम देने में अफसरों और नेताओं का गठजोड़ अनिवार्य रूप से रहता था। नेता और अफसर राज्य को दोनों हाथों से लूट रहे है यह बात आम आदमी तक की जुबान पर रहती थी। रामविलास की गिरफ्तारी पर अगर काबीना मंत्री गणेश जोशी अगर यह कह रहे हैं कि राज्य में और भी रामविलास हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं है। उनके इस बयान पर अगर कांग्रेसी नेता यह पूछ रहे हैं कि राज्य में उनकी 6 साल से सरकार है अगर वह अन्य रामविलासों को जानते हैं तो उन्हें छुपा क्यों रखा है उनके नाम भी उजागर करें और उन्हें भी जेल भेजे तो इसमें भी कांग्रेसी नेता क्या गलत कह रहे हैं। कांग्रेसी नेता यह भी कह रहे हैं कि जिन मंत्रियों के साथ अन्य रामविलास काम कर रहे हैं उन मंत्रियों की संपत्तियों की जांच कराई जाए। सवाल यह है कि भले ही भ्रष्टाचार के आरोपी रामविलास को तो भाजपा सरकार ने जेल भिजवा दिया क्या वह कुर्ता धारी नेताओं को भी जेल पहुंचाने की हिम्मत दिखाएंगे जिनके नाम बड़े-बड़े घोटालों से जुड़े रहे हैं? रामविलास तो भ्रष्टाचार के मामले में जेल जाने वाले राज्य के पहले अधिकारी बन चुके हैं। लेकिन भ्रष्टाचार में जेल जाने वाला पहला नेता या मंत्री कौन होगा? यह सबसे अहम सवाल है। अभी त्रिवेंद्र सिंह रावत ने मुख्यमंत्री रहते हुए कहा था कि अब राज्य में भ्रष्टाचार ही नहीं रहा तो लोकायुक्त की क्या जरूरत है लेकिन उनके पद से हटते ही कुंभ में कोरोना जांच घोटाला हो गया। उससे पहले एनएच-74 जमीन मुआवजा घोटाला हो गया जिसमें कई कुर्ताधारी व कई रामविलासों के नाम चर्चा में रहे। लेकिन इसकी जांच का क्या हुआ कुछ पता नहीं। भले ही एक रामविलास जेल चले गए लेकिन भ्रष्टाचार जेल कब जाएगा? इसका पता नहीं है।

एक किलो गांजे के साथ महिला गिरफ्तार

देहरादून (संवाददाता)। पुलिस ने एक किलो 600 ग्राम गांजे के साथ एक महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत चैकिग के दौरान काले की ढाल के पास एक महिला को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर पकड लिया। उसके थैले की तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से एक किलो 600 ग्राम गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम नीतू देवी पत्नी विजय निवासी सर्वहारा नगर काले की ढाल बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी मुर्मू ने भरा... ▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर तथा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के अलावा अन्य तमाम सहयोगी दलों और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री व नेता मौजूद रहे। द्रौपदी मुर्मू ने अपने नामांकन के 4 सेट जमा किए जिनमें से एक में मुख्यमंत्री धामी भी उनके प्रस्तावकों में शामिल हैं। वर्तमान राष्ट्रपति कोविंद का कार्यकाल 25 जुलाई को समाप्त हो रहा है यदि द्रौपदी मुर्मू यह चुनाव जीतती है तो वह देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति होंगी और देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति होंगी।

द्रौपदी मुर्मू उड़ीसा के आदिवासी क्षेत्र के एक छोटे से गांव उपखेड़ा से आती हैं। 1997 से वह भाजपा से जुड़ी हुई है तथा वह उड़ीसा विधानसभा की सदस्य और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के मंत्रिमंडल में मंत्री भी रह चुकी हैं तथा झारखंड की राज्यपाल भी रह चुकी है। उनके पास काफी लंबा राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव है। भाजपा ने काफी माथापच्ची के बाद व प्रस्तावित नामों में से उनके नाम का चयन देश के 15वें राष्ट्रपति चुनाव के लिए किया गया है, जो 18 जुलाई को होगा। अपने नाम के चुनाव के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए का आभार जताया है।

सीएम धामी ने किसाऊ परियोजना के एमओयू में कुछ प्रावधानों को शामिल करने का केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री से किया अनुरोध

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेद्र सिंह शेखावत से शिष्टाचार भेंट की।

मुख्यमंत्री ने जमरानी बाँध परियोजना पर शीघ्र कार्य प्रारम्भ कराये जाने के लिए प्रस्तावित परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (वृहत सिंचाई) के अन्तर्गत स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। साथ ही ३०० मेगावाट की बावला नन्द प्रयाग जल विद्युत परियोजना के क्रियान्वयन की शीघ्र स्वीकृति प्रदान किये जाने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने किसाऊ परियोजना के एमओयू में कुछ प्रावधानों को शामिल करने का भी आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि उत्तराखण्ड राज्य की महत्वाकांक्षी जमरानी बांध बहुउददेशीय परियोजना के तहत जनपद नैनीताल में गौला नदी पर हल्द्वानी शहर से १० कि०मी० अपस्ट्रीम मे नदी तल से १३०.६० मी० ऊँचा कक्रीट ग्रेविटी बाँध निर्मित किया जाना है। बाँध के निर्माण से उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड राज्य के १५००२७ हेक्टेयर कमाण्ड में ५७०६५ हैक्टेयर अतिरिक्त सिचन क्षमता का सृजन होगा तथा हल्द्वानी शहर एवं उसके समीपवर्ती क्षेत्र की पेयजल आवश्यकता की पूर्ति हेतु ११७ मिलियन लीटर प्रतिदिन जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिनांक १०.०६.२०२२ को सचिव जल शक्ति मंत्रालय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जमरानी बाँच परियोजना का निवेश स्वीकृति हेतु संस्तुति की गयी है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से जमरानी बाँध परियोजना पर शीघ्र कार्य प्रारम्भ कराये जानेके लिए प्रस्तावित परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (वृहत सिंचाई) के अन्तर्गत स्वीकृति प्रदान किये जाने हेतु संबंधित को निर्देशित करने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के उपक्रम यूजेवीएन लि० की ३०० मेगावाट की बावला नन्द प्रयाग जल विद्युत परियोजना हेतु भारत सरकार के केन्द्रीय जल आयोग एवं केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के विभिन्न निदेशालयों से स्वीकृति प्राप्त की जा चुकी है। इस परियोजना पर मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा कोई प्रतिबन्ध नहीं लगाया गया है तथा किसी भी अन्य संस्थान यथा राष्ट्रीय गंगा विकास प्राधिकरण (एन०जी०आर०बी०ए०), वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति –२ इत्यादि द्वारा भी परियोजना पर कोई भी विपरीत टिप्पणी नहीं की गयी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्युत मंत्रालय, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिर्वतन मंत्रालय तथा जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के मध्य अक्टूबर २०२१ में बैठक हुई थी जिसमें गंगा एवं उसकी सहायक नदियों पर प्रस्तावित १० जल विद्युत परियोजनाओं (बावला नन्द प्रयाग एवं अन्य ६ परियोजनाएं) जिन पर किसी भी प्रकार की रोक नहीं है उनको परियोजनावार आधार पर स्वीकृति प्राप्त किये जाने के लिए विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा यूजेवीएन लि० को जनवरी, २०२२ में जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार से सम्पर्क किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से बावला नन्द प्रयाग जल विद्युत परियोजना के क्रियान्वयन की शीघ्र स्वीकृति का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने किसाऊ परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि उक्त परियोजना के क्रियान्वयन के लिए छः लाभार्थी राज्यों के मध्य समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित होना है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना के कार्यान्वयन को गति प्रदान करने हेतु अंतर्राज्यीय समझौते में कुछ बिन्दुओं का समावेश करते हुए उक्त समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किये जाने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करवाने का अनुरोध किया।

बोधा सु मे मघवन्वाचमेमां यां ते वसिष्ठो अर्चति प्रशस्तिं।

इमा ब्रह्म सधमादे जुषस्व।।

(ऋग्वेद ७–२२–३)

हे विद्वान मनुष्य ! तुम उस वैदिक वाणी को भली–भांति समझो जिसका श्रवण और गायन ऋषिमुनि करते हैं। तुम भी उस वैदिक वाणी को अपने हृदय में स्वीकार करो और प्रभु के आनंद का रस प्राप्त करो।

O learned man ! You must understand very well the Vedic speech, which is heard and sung by the sages. You also accept that Vedic speech in your heart and enjoy the bliss of the Lord. (Rig Veda 7-22-3)

अग्निपथ योजना को वापस लेने की मांग को लेकर भेजा राष्ट्रपति को ज्ञापन

नगर संवाददाता

देहरादून। केन्द्र सरकार की युवा विरोधी, सेना की अग्निपथ योजना को वापस लेने की मांग को लेकर आज संयुक्त किसान मोर्चा डोईवाला द्वारा जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन प्रेषित किया गया है।

ज्ञापन के माध्यम से संयुक्त किसान मोर्चा डोईवाला ने कहा है कि केन्द्र सरकार ने बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के नाम पर सेना में भर्ती हेतू अल्पकालिक अग्निपथ योजना को लान्च किया है जो मात्र चार वर्ष के लिए है। जिसके चलते राष्ट्रीय स्तर पर बेरोजगार युवाओं द्वारा इसका विरोध किया जा रहा है। जिसका समर्थन संयुक्त किसान मोर्चा डोईवाला करता है और इस योजना के विरोध में देश के करोड़ो बेरोजगार युवाओं के साथ खड़ा है। उन्होने राष्ट्रपति से मांग की है कि बेरोजगार युवाओं को सेना में स्थायी रोजगार दिया जाये। केन्द्र सरकार सेना का निजीकरण बंद करे व केन्द्र सरकार करोड़ों बेरोजगारों की भावनाओं की कद्र करते हुए अग्निपथ योजना को तुरन्त वापस ले।

मारपीट का मुकदमा एक साल बाद एसएसपी के आदेश पर दर्ज

देहरादून (सं)। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक साल बाद एसएसपी के आदेश पर पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेलाकुई निवासी ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि जून 2021 को अपनी कार से अपनी पत्नी के साथ सहारनपुर से देहरादून होते हुए अपने घर निगम रोड, सेलाकुई जा रहा था वह अपने पिता के द्वारा बनाये गये मकान चमन विहार से निकला जब उसकी कार मकान के सामने से निकली तो उसका भाई अनुकान्त त्यागी व एक अन्य युवक पवन निवासी माजरा वहाँ ग्राउण्ड में बैठा उसकी कार को देखकर उसके भाई ने स्कूटी से उसका पीछा किया और आगे उसकी कार के सामने अपनी स्कूटी लगा दी। उन्होंने उसे जाम से मारने की धमकी दी उसको व उसकी पत्नि को बाहर खीचने लगे और उनके साथ मारपीट करने लगे उसकी पत्नी की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग वहां पर आये तो हमलावर वहां से भाग गये। उसने इस घटना की सूचना पटेलनगर कोतवाली पुलिस को लिखित में दी थी लेकिन पुलिस ने अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की है। एसएसपी के आदेश के बाद पुलिस ने एक साल बाद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

भारत को खेल महाशक्ति बनाने में राज्यों और केंद्र सरकार के बीच तालमेल की है महत्वपूर्ण भूमिका:रेखा आर्या

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। गुजरात के एकता नगर, केवड़िया गुजरात में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के युवा और खेल मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुवात हो गई है। उद्घाटन सत्र में उत्तराखंड प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व खेल और युवा मामलों की मंत्री श्रीमती रेखा आर्या कर रही है। उनके साथ वरिष्ठ आईपीएस अभिनव कुमार विशेष प्रधान सचिव खेल और युवा मामले मौजूद है ,साथ ही उत्तराखंड से अजय अग्रवाल संयुक्त निदेशक युवा कल्याण और मनोज शर्मा उप निदेशक खेल भी मौजूद है। यह आयोजन दो दिनों तक चलेगा।

अपने सम्बोधन में खेल मंत्री श्रीमती रेखा आर्या ने कहा कि जैसा कि आप जानते हैं, यह भारत में खेलों के लिए एक रोमांचक समय है क्योंकि हम हाल ही में संपन्न हुए डेफ़ ओलंपिक, थॉमस कप और उबेर कप, २०२२ में अपने चौंपियन एथलीटों की सफलता का जश्न मना रहे हैं। हमारी महिला मुक्केबाजों ने विश्व मुक्केबाजी चौंपियनशिप में भी हमें गौरवान्वित किया है।

खेल मंत्री ने कहा कि यह एक ऐसा समय है जब हमारे नवोदित एथलीटों को वैश्विक खेल परिदृश्य में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए अपनी क्षमता और प्रोत्साहन को बढ़ावा देने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता है। भारत को एक खेल महाशक्ति बनाने में राज्यों और केंद्र सरकार के बीच तालमेल की महत्वपूर्ण भूमिका है।

रेखा आर्या ने कहा कि गुजरात मे चल रहा यह सम्मेलन निश्चित रूप से उत्तराखंड में खेल को बढ़ावा देने की दिशा में एक सार्थक कदम होगा। आर्या ने कहा कि उत्तराखंड में खेल के ट्रेनिंग सेंटर के रूप में हमारे पास दो स्पोर्ट्स कॉलेज हैं जिसमे एक गढ़वाल मंडल और दूसरा कुमाऊं मंडल में स्थित है।माननीया मंत्री श्रीमती रेखा आर्या ने बताया कि बालिकाओ को लेकर खेल विभाग संजीदा है,ऐसे में बालिकाओ की खेल प्रतिभा को निखारने के लिए उधमसिंह नगर जनपद में एक गर्ल्स स्पोर्ट्स कॉलेज जल्द ही प्रारंभ किया जाने वाला है ।

इसके अतिरिक्त हमारे पास हर जनपद में स्पोर्ट्स हॉस्टल हैं जो कि लगातार काम कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त टैलेंट आईडेंटिफिकेशन को निखारने के लिए हम हर वर्ष खेल महाकुंभ का आयोजन करते हैं,जिसमे करीब ढाई लाख बच्चे प्रतिभागी रहते हैं । खेल मंत्री श्रीमती रेखा आर्या ने कहा कि हम इस खेल को न्याय पंचायत लेवल तक लेकर आते हैं और इसे स्टेट लेवल तक पहुंचाने का काम करते हैं।

हाल ही में हम लोग खेल पॉलिसी लेकर आए हैं और इस खेल पॉलिसी में ८ से १४ वर्ष तक की आयु के ३०० खिलाड़ियों को प्रति जनपद लगभग ३ हजार ६०० और पीआरडी को १५०० रुपये प्रतिमाह छात्रवर्ती देने का निर्णय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया है, जिसकी व्यवस्था खेल पॉलिसी में भी है ।ठीक इसी प्रकार से १४ से २३ वर्ष के खिलाड़ियों के लिए २०० खिलाड़ी प्रति जनपद के हिसाब से २६०० खिलाड़ियों को हम लोग २ हजार रुपये हर माह देने की व्यवस्था की गई है ।

बता दे कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के युवा मामलों और खेल के प्रभारी मंत्रियों का यह सम्मेलन २४ और २५ जून, २०२२ को केवडिया, गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के निकट आयोजित किया जा रहा है। यह सम्मेलन देश में खेलों को बढ़ावा देने के साथ–साथ युवाओं के विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचारों पर चर्चा करने और सुझाव लेने और उत्कृष्टता के स्वर्ण मानक को प्राप्त करने के लिए आगे की राह पर विचार करने के लिए एक मंच है।

एक्टिवा की टक्कर से एक घायल

संवाददाता

देहरादून। एक्टिवा की टक्कर से एक घायल हो गया जिसको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सेलाकुई निवासी अर्जुन सूद सेलाकुई निगम रोड पर पैदल जा रहा था तभी एक एक्टिवा सवार ने उसको टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

भ्रष्टाचार पर नकेल नहीं कसी तो राज्य के हर नागरिक पर होगा कर्ज: बिष्ट

संवाददाता

देहरादून। आम आदमी के प्रदेश संगठन समन्वयक जोत सिंह बिष्ट ने कहा कि सरकार राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार पर हकीकत में नकेल कसने के लिए काम करें नहीं तो राज्ये प्रत्येक नागरिक पर कर्ज बढ़ता जाएगा ,जो ना ही राज्य के हित में है और ना ही जनता के हित में है।

आज यहां आप पार्टी के प्रदेश संगठन समन्वयक जोत सिंह बिष्ट ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और राज्य सरकार लगातार चुनावी मोड में रहने के कारण देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को रसातल तक पहुंचाने पर आमादा है। केंद्र सरकार ना तो बैंक घोटालों को रोक पा रही है ना ही अर्थव्यवस्था को दुरुस्त कर पा रही है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार बीते कई महीनों से महाराष्ट्र में शिवसेना गठबंधन सरकार को गिराने के षड्यंत्र में व्यस्त रहने और देश के नौजवानों का भविष्य अधर में डालने के लिए लागू की गई। अग्निपथ योजना को समझाने और धमकाने में व्यस्त रहे और इसका यह परिणाम है कि नीरव मोदी और विजय माल्या से बहुत बड़े बैंक घोटाले को अंजाम देने में अजय चंद्रा और संजय चंद्रा सफल हुए और विदेश भाग गए। ठीक इसी प्रकार राज्य की सरकार पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी कर रही है, लेकिन अपने अफसरों को घोटाले करने से नहीं रोक पा रही है। राज्य सरकार ने बजट सत्र में स्वीकार किया है कि उनकी सरकार ने पिछले वित्तीय वर्ष के अनुपूरक बजट की रकम से ज्यादा धनराशि विकास कार्यों में खर्च नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा कि सन 2000 में अस्तित्व में आए तीन राज्यों में से उत्तराखंड का हर व्यक्ति सबसे अधिक कर्जदार है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की भाजपा सरकार राज्य के बजट का उपयोग जनहित में और विकास कार्यों में करने के बजाय पैसे का दुरुपयोग कर रही है। सरकार एक अधिकारी को गिरफ्तार करके अपनी पीठ थपथपाने के बजाय राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार पर हकीकत में नकेल कसने के लिए काम करें ,नहीं तो राज्य कर्ज के बोझ में दब जाएगा और राज्य के प्रत्येक व्यक्ति पर कर्ज बढ़ता जाएगा ,जो ना ही राज्य के हित में है और ना ही जनता के हित में है।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने दोनो मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जनरल विंग प्रेमनगर निवासी महक तलवार ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आयी तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। वहीं अनन्या विहार धर्मपुर निवासी राजेश राणा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से दून अस्पताल आया था उसने अपनी एक्टिवा पार्किंग मे खडी कर दी थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी।

मसूरी क्षेत्र की समस्याओं को लेकर सिंचाई मंत्री से मिले कृषि मंत्री

देहरादून (सं)। मसूरी विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज से मुलाकात कर समस्याओं के निराकरण के लिए चर्चा की। आज यहां अपनी विधानसभा क्षेत्र मसूरी की विभिन्न समस्याओं को लेकर कृषि मंत्री गणेश जोशी, सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज से उनके सचिवालय स्थित कार्यालय में मुलाकात करने पहुंचे। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने बताया कि दिलाराम बाजार स्थित सिंचाई विभाग की भूमि को फ्रीहोल्ड करने के संबंध में वार्ता के लिए सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज से मुलाकात का सुयोग बना। इस प्रकरण पर उन्होंने बहुत ही सकारात्मक रूख जाहिर किया। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री घोषणाओं के संबंध में भी चर्चा की गई। इस दौरान सचिव सिंचाई हरीश चन्द्र सेमवाल, प्रमुख अभियंता मुकेश मोहन एवं अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

तमंचा, कारतूस व मिर्च पाउडर सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक में घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने कल देर शाम तमंचा, कारतूस व मिर्च पाउडर सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम कोतवाली नगर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस धनुष पुल के समीप पीपल के पेड के नीचे पहुंची तो उसे वहां एक संदिग्ध व्यक्ति टहलता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से एक तमंचा, कारतूस व मिर्च पाउडर बरामद किया। पूछताछ में उसने अपना नाम बलविन्दर सिंह पुत्र चतर सिंह निवासी ग्राम रसूलपुर आवाद पोस्ट रसूलावाद जिला बिजनौर बताया। बताया कि मै यहां लूटपाट एवं चोरी करने के उद्देश्य से आया था। मिर्ची पाउडर लोगों की आँखो में डालकर लूटपाट या चोरी आसानी से हो सकती है । इसी उद्देश्य से मै तमन्चा, कारतूस एवं मिर्ची पाउडर साथ में रखता हूं। बहरहाल पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

लकड़ी की कंघी का इस्तेमाल करने के पांच फायदे

प्लास्टिक की कंघी से बाल करने से बहुत बाल टूटते हैं और इससे स्कैल्प का प्राकृतिक तेल भी प्रभावित होता है। यही वजह है कि हेयर केयर एक्सपर्ट्स लकड़ी की कंघी का इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं क्योंकि यह स्कैल्प को पोषित करने के साथ-साथ सिर के ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर रखने में भी सहायक है। इसके अतिरिक्त, यह पर्यावरण के भी अनुकूल है। आइए आज हम आपको लकड़ी की कंघी का इस्तेमाल करने के पांच फायदे बताते हैं।

डैंड्रफ को कम करने में है सहायक

प्लास्टिक या फिर किसी भी अन्य धातु की कंघी आपके स्कैल्प पर रूखापन बढ़ाकर डैंड्रफ की समस्या पैदा कर सकती है, जो आपके बालों के लिए नुकसानदायक है। हालांकि, लकड़ी की कंघी स्कैल्प की प्राकृतिक तेल को नुकसान पहुंचाए बिना कोमलता से अपना काम करती है, जिससे डैंड्रफ भी नहीं होता। दरअसल, यह आपके स्कैल्प पर तेल उत्पादन को उत्तेजित करती है और स्कैल्प पर तेल के खराब फैलाव को रोकती है, जो डैंड्रफ को दूर रखने में मददगार है।

बालों का झड़ना होगा खत्म

प्लास्टिक की कंघी फेराते समय बाल काफी ज्यादा खींचते हैं, जिससे बालों के झड़ने की संभावना बढ़ जाती है। खासकर, अगर बाल में लगी किसी गांठ को सुलझाना हो तो बाल काफी ज्यादा झड़ते हैं। हालांकि, लकड़ी की कंघी से ऐसा कुछ नहीं होता है। यह आपके बालों को बिना खींचे आसानी से उन्हें सुलझा सकती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप अपनी हेयर केयर किट में प्लास्टिक की बजाय लकड़ी की कंघी को शामिल करें।

ग्रेसी बालों से मिलेगा छुटकारा

जो लोग ग्रेसी बालों की समस्या का सामना करते हैं तो वे इससे छुटकारा पाने के लिए कई तरह के महंगे-महंगे हेयर केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने लगते हैं, फिर भी उन्हें मनचाह परिणाम नहीं मिल पाता। हालांकि, लकड़ी की कंघी का इस्तेमाल करने से आपकी यह समस्या खत्म हो सकती है क्योंकि यह कंघी स्कैल्प के सीबम के उत्पादन को नियंत्रित करती है, जिससे आपके बाल ग्रेसी नहीं होते हैं।

स्कैल्प का ब्लड सर्कुलेशन होगा बेहतर

प्लास्टिक की कंघी बालों के लिए कठोर होती है, जबकि लकड़ी की कंघी कोमलता से बालों को सुलझाने में मदद करती है और इनकी गुणवत्ता में भी सुधार करती है। लकड़ी की कंघी कार्बन आधारित होती हैं, जो स्कैल्प की मालिश करने में मदद करती है और इससे खरोंच या जलन जैसी समस्याएं नहीं होती है। इस वजह से लकड़ी की कंघी का इस्तेमाल स्कैल्प के ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करने में काफी मदद कर सकती है।

स्कैल्प को किसी भी एलर्जी से बचाने में है सहायक

लकड़ी की कंघी का इस्तेमाल करना हर तरह के बालों के लिए सुरक्षित है। भले ही आपका स्कैल्प संवेदनशील प्रकार की ही क्यों न हो। प्लास्टिक या अन्य धातु की कंघी कभी-कभी खोपड़ी पर एलर्जी या जलन पैदा कर सकती है, जबकि लकड़ी की कंघी से ऐसा कुछ नहीं होता। प्राकृतिक घटकों से बनी लकड़ी की कंघी पर एक सुरक्षात्मक कोटिंग होती है, जो आपकी खोपड़ी को एलर्जी या किसी भी जलन से बचाती है।

राखी विजन नई दयाबेन!

टीवी सिटकॉम तारक मेहता का उल्टा चश्मा ने पिछले कुछ वर्षों में एक सफल प्रदर्शन का आनंद लिया है। दर्शकों के सबसे पसंदीदा किरदारों में से एक दयाबेन चार साल बाद शो में नजर आने वाली हैं। सूत्रों की माने तो 90 के दशक के सिटकॉम हम पांच में अपने प्रतिष्ठित किरदार स्वीटी माथुर के लिए लोकप्रिय अभिनेत्री राखी विजन को दयाबेन की भूमिका के लिए चुना गया है।

निर्माता असित कुमार मोदी ने हाल ही में सूचित किया था कि प्रसिद्ध चरित्र कहानी पर वापस आ जाएगा, लेकिन वह दयाबेन की भूमिका निभाने वाली दिशा वकानी की वापसी की पुष्टि नहीं कर सकता है। शो के दर्शक अपनी फेवरेट दिशा वकानी को मिस कर रहे हैं। अभिनेत्री हमेशा सबसे यादगार रहेगी।

उनके सिग्नेचर हे मां माताजी से लेकर टप्पू के पापा तक - फैंस उनके किरदार के बारे में सब कुछ मिस करते हैं। वकानी ने सितंबर 2017 में मैटरनिटी ब्रेक लिया और फिर कभी वापस नहीं आईं। एक सूत्र का कहना है, राखी विजान को दयाबेन की भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया गया है। राखी सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं।

उनकी कॉमिक टाइमिंग अच्छी है।विजान इससे पहले देख भाई देख, बनेगी अपनी बात, नागिन 4 जैसे शो का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने गोलमाल रिटर्न्स जैसी बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है। एक्ट्रेस ने बिग बॉस 2 में भी हिस्सा लिया था।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

मानसून के दौरान रोजाना करें ये इंडोर एक्सरसाइज, रहेंगे एकदम फिट

मानसून के दौरान आए दिन आने वाली बारिश आपको जिम जाने से रोक सकती है, लेकिन ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है क्योंकि आप चाहें तो कुछ इंडोर एक्सरसाइज को करके अपने जिम रूटीन को खराब होने से बचा सकते हैं। आइए आज हम आपको पांच ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं, जिन्हें मानसून के दौरान यानी अधिक बारिश वाले दिन करके आप खुद को फिट एंड फाइन बनाए रख सकते हैं।

स्क्वाट

स्क्वाट एक्सरसाइज करने के लिए सबसे पहले अपने दोनों हाथ सामने की ओर खोलकर सीधे खड़े हो जाएं। इस दौरान आपकी छाती एकदम तनी हुई होनी चाहिए। अब धीरे-धीरे अपने घुटनों को मोड़ते हुए ऐसे बैठें, जिस तरह से कुर्सी पर बैठा जाता है। इसके बाद सांस भरते हुए धीरे-धीरे नीचे झुकें, फिर ऊपर आते समय सांस छोड़ें। ऐसा आप 10 मिनट तक कर सकते हैं। शुरूआत में 10 स्क्वाट करें और फिर धीरे-धीरे 12-15 तक ले जाएं।

पुश अप्स

पुश अप्स के लिए सबसे पहले जमीन पर पेट के बल लेट जाएं, फिर गर्दन को सीधा रखें और हथेलियों को कंधों के नीचे रखें। वहीं, पंजे जमीन से सटे हुए हों। अब हाथों पर जोर डालते हुए शरीर को धीरे-धीरे ऊपर-नीचे करें, लेकिन इस दौरान ध्यान रखें कि शरीर को नीचे लाते समय छाती जमीन से छूनी चाहिए। इसके बाद अपने हाथों को सीधा करें और 10 सेकंड इसी अवस्था में रहें, फिर धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

सिट अप्स

इस एक्सरसाइज को करने के लिए सबसे पहले एक्सरसाइज मैट पर पीठ के बल सीधे लेट जाएं। अब अपने दोनों हाथों को सीधा फर्श पर रखें और दोनों पैरों को घुटनों से मोड़ कर जमीन पर रखें। इसके बाद अपने दोनों हाथों को ऊपर ले जाकर सिर के पीछे रख लें और सांस छोड़ते हुए अपने शरीर के ऊपरी हिस्से को उठाकर अपने घुटनों के करीब लाएं। अब सांस लेते हुए फिर से लेट जाएं। इस तरह 10-12 रेप्स करें।

प्लैंक

प्लैंक एक्सरसाइज के लिए सबसे पहले अपने घुटने मोड़कर जमीन पर बैठकर दोनों कोहनियों को फर्श पर टिकाकर आपस में बांध लें, फिर पैरों को फैलाकर पेट के बल लेट जाएं। ध्यान रहें कि इस दौरान आपके कंधे और कोहनियां एक ही सीध में हो। अब कोहनी को कसकर रखें और शरीर का भार पैरों की उंगलियों और हथेलियों पर रखें, फिर पांच-छह मिनट इसी स्थिति में रहें। इसके बाद धीरे-धीरे एक्सरसाइज छोड़ते हुए सामान्य हो जाए।

लंज एक्सरसाइज

सबसे पहले जमीन पर सीधे खड़े होकर अपने दाएं पैर को आगे बढ़ाएं और उसको घुटनों से मोड़ते हुए 90 डिग्री का कोण बनाएं। अब बायां पैर पीछे के ओर सीधा करें और दोनों पैरों के बीच में कम से कम दो-तीन फीट की दूरी कायम करें। कुछ सेकेंड इसी स्थिति में रहने के बाद खुद को ऊपर की ओर उछालें। इससे आप प्रारंभिक स्थिति में आ जाएंगे। इसे रेप्स कहते हैं। इसी तरह दोनों पैर से 12-15 रेप्स करें। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

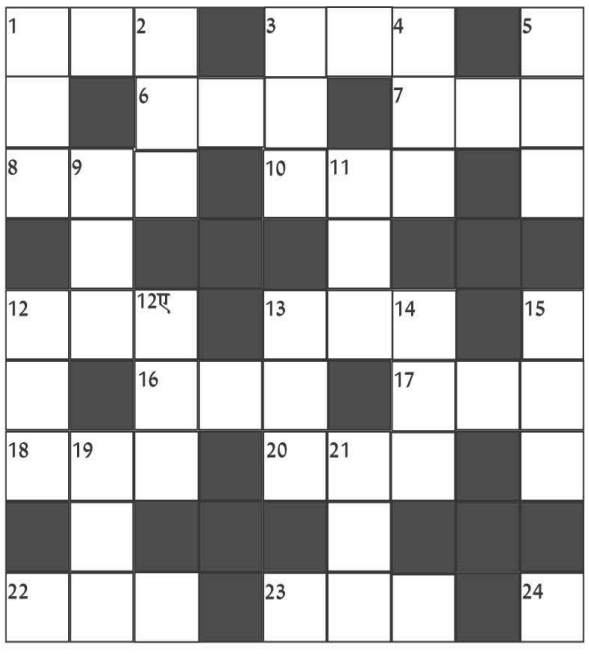

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8	9		■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		12ए	■	13		14	■	15
	■	16			■	17		
18	19		■	20	21		■	
■		■	■	■		■	■	■
22			■	23			■	24

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

विक्रांत मैसी ने शेयर किया सेक्टर 36 का टीजर

दिनेश विजन की मैडॉक फिल्म ने अपनी अगली फिल्म का ऐलान किया। इस फिल्म में अभिनेता विक्रांत मैसी और दीपक डोबरियाल नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। अभिनेता विक्रांत ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का टीजर शेयर किया है। टीजर में बताया गया है कि फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है। रिपोर्ट्स के अनुसार सेक्टर 36 नोएड़ा के चर्चित निठारी हत्याकांड पर बन रही है।

फिल्म का सनसनीखेज टीजर बता रहा है कि यह रोंगटे खड़े कर देने वाली क्राइम थ्रिलर फिल्म है। 38 सेकेंड के टीजर में एक कॉकरोच के जरिए फिल्म के इमोशन को बताने की कोशिश की गई है। फिल्म का निर्देशन आदित्य निंबालकर कर रहे हैं। आदित्य फिल्म तलवार के लेखन के लिए जाने जाते हैं। सेक्टर 36 को बोधायन रॉय चौधरी ने लिखा है। स्त्री, शिद्दत, बदलापुर जैसी फिल्में दे चुकी मैडॉक फिल्म्स एक बार फिर थ्रिलर लेकर आई है।

लक्ष्मण उतेकर और दिनेश की मैडॉक फिल्म्स ने एक फिल्म के लिए हाथ मिलाया है, जिसकी शूटिंग हाल में पूरी हुई है। इसमें विक्की कौशल और सारा अली खान मुख्य भूमिकाओं में दिखेंगे। दिनेश की फिल्म भेडिया जल्द दर्शकों के बीच आएगी।

साल 2006 में निठारी कांड ने देशभर में सनसनी मचा दी थी। नोएडा के निठारी गांव के एक घर से कई महिलाओं और बच्चों के कंकाल मिले थे। इसके बाद मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली को गिरफ्तार किया गया। आरोप थे कि ये बच्चों और महिलाओं का रेप कर उन्हें मार देते थे। कई मामलों में दोनों को फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है। 2015 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कोली की सजा उम्रकैद में बदल दी थी।

इस नई फिल्म के अलावा विक्रांत, राधिका आप्टे स्टारर फॉरेंसिक में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 24 जून को जी5 पर रिलीज हुई। इसके अलावा विक्रांत यार जिगरी, गैसलाइट, मुंबईकर फिल्म में काम कर रहे हैं। मिर्जापुर स्टार विक्रांत पिछली बार सान्या मल्होत्रा और बॉबी देओल स्टारर लव हॉस्टल में नजर आए थे। वहीं दीपक डोबरियाल, जाह्नवी कपूर के साथ फिल्म गुडलक जेरी में दिखाई देंगे। दीपक अंग्रेजी मीडियम, तनु वेड्स मनु में शानदार अभिनय कर चुके हैं।

नेटफ्लिक्स पर सबसे अधिक देखी जाने वाली भारतीय फिल्म बनी गंगूबाई काठियावाड़ी

संजय लीला भंसाली की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी ने सिनेमाघरों में धूम मचा दी थी। फिल्म में अभिनेत्री आलिया भट्ट के अंदाज को दर्शकों ने खूब सराहा था। फिल्म 25 फरवरी को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी। थिएट्रिकल रिलीज के बाद आलिया की यह फिल्म 26 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हुई थी। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी फिल्म को अच्छी प्रतिक्रिया मिली। अब यह नेटफ्लिक्स पर सबसे अधिक देखी जाने वाली भारतीय फिल्म बन चुकी है।

रिपोर्ट के अनुसार, आलिया की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर अब तक 5.6 करोड़ से ज्यादा घंटे देखा गया है। इसके अलावा यह फिल्म नेटफ्लिक्स के टॉप-10 में छह हफ्तों से बनी हुई है। गंगूबाई काठियावाड़ी उन फिल्मों में शामिल है, जिसे सिनेमाघरों के साथ-साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म के दर्शकों का भी प्यार मिला। उम्मीद है कि नेटफ्लिक्स पर इस फिल्म को और अधिक व्यूअरशिप मिलेगा।

नेटफ्लिक्स पर व्यूअरशिप के मामले में गंगूबाई काठियावाड़ी ने कई फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। अपने दूसरे सप्ताह में आरआरआर ने 57 देशों में टॉप-10 में अपना स्थान पक्का किया। यह गौर करने वाली बात है कि आरआरआर जी5 पर उपलब्ध है और केवल इसका हिंदी संस्करण नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया है। ये आने वाले हफ्तों में पता चलेगा कि आरआरआर गंगूबाई काठियावाड़ी को पछाड़ पाती है या नहीं।

कृति सैनन की मिमी टॉप-10 में सबसे अधिक हफ्ता बिताने वाली फिल्मों में शामिल है। फिल्म ने टॉप-10 में पांच हफ्तों का समय बिताया। अक्षय कुमार की सूर्यवंशी ने भी टॉप-10 में पांच सप्ताह का वक्त बिताया। मिमी को जहां 2.17 करोड़ घंटे का व्यूअरशिप मिला था, वहीं व्यूअरशिप के मामले में सूर्यवंशी ने 2.42 करोड़ घंटे का आंकड़ा छुआ। हसीन दिलरुबा ने टॉप-10 में चार सप्ताह बिताए और उसे 2.44 करोड़ घंटे देखा गया।

गंगूबाई काठियावाड़ी ने दुनियाभर में 200 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। वहीं, भारत में इस फिल्म ने 129 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है। यह उन चंद फिल्मों में शामिल है, जिसने महामारी के बाद दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है।

गंगूबाई काठियावाड़ी की कहानी हुसैन जैदी की किताब माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई पर आधारित है। जैदी ने अपनी इस किताब में गुजरात के काठियावाड़ी की एक लडकी गंगा हरजीवनदास की जिंदगी के कई परतों को खोला है। विजय राज, शांतनु महेश्वरी और सीमा पाहवा भी अहम किरदारों में नजर आए हैं। फिल्म के सभी कलाकारों के प्रदर्शन को सराहा गया है। आलिया ने वेश्या गंगूबाई के किरदार को बखूबी निभाया। अजय देवगन का कैमियो फिल्म को खास बनाता है।

भावपूर्ण किरदारों के मिलने से खुश हैं नुसरत भरुचा

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरुचा अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म जनहित में जारी में किए गए काम को लेकर बेहद संतुष्ट हैं। दिबाकर बनर्जी की अत्यधिक प्रयोगात्मक एंथोलॉजी ड्रामा लव सेक्स और धोखा और प्यार का पंचनामा जैसी फिल्मों में बोल्ड और ग्लैमरस भूमिकाओं के साथ अपने करियर की शुरुआत करने वाली नुसरत ने गियर बदलते हुए और फिल्मों में अधिक परिभाषित भूमिकाएं निभाई हैं।

इसके बारे में बात करते हुए, नुसरत ने कहा कि प्यार का पंचनामा, प्यार का पंचनामा 2 और सोनू के टीटू की स्वीटी के समय, मेरी चाची कहती थीं, अगली बार तू कुछ ऐसी फिल्म क्यों नहीं करती जहां पर तू वास्तव में कुछ कर रही हो, फिर जब छलंग, छोरी जैसी फिल्में या अजीब दास्तान जैसी वेब प्रोजेक्ट आई तो मैं एक अभिनेत्री के रूप में संतुष्ट महसूस करने लगी। व्यक्तिगत रूप से, एक अभिनेत्री के रूप में, मैं बेहद खुश हूं मैंने अपने लिए जिस तरह की जगह बनाई है।

उन्होंने आगे उल्लेख किया, यदि आपको एक फिल्म के लिए माना जाता है, लेकिन चीजें काम नहीं करती हैं, तो यह ठीक है, लेकिन सबसे ज्यादा दुख तब होता है जब आपको किसी विशेष परियोजना के लिए भी नहीं माना जाता है। उस चरण में, आपका दिमाग या तो आपको डुबो सकता है या आपका नेतृत्व कर सकता है।

उन्होंने निष्कर्ष निकाला, मैंने अपने काम पर ध्यान केंद्रित करके और मेरे रास्ते में आए काम का जश्न मनाते हुए बाद वाले को चुना। व्यक्तिगत रूप से, मैं अपनी पसंद को संतुलित करना चाहूंगी। हालांकि, छोरी के बाद मेरे रास्ते में महिला-उन्मुख स्क्रिप्ट का प्रवाह आया है। फिल्म निर्माता बताते हैं जब मैंने शुरुआत की थी, तो वे मेरे ग्लैम अवतार से परे मेरी कल्पना नहीं कर सकते थे, लेकिन मुझे लगता है कि अब यह बदल गया है।

काम के मोर्चे पर, नुसरत भरुचा अगली बार अक्षय कुमार और इमरान हाशमी के साथ सेल्फी, अक्षय कुमार के साथ राम सेतु और छोरी 2 में दिखाई देंगी। वह एक आगामी अभी तक बिना शीर्षक वाली अखिल भारतीय फिल्म में बेलमकोंडा श्रीनिवास के साथ भी दिखाई देंगी।

जल्द ही अनन्या संग ऑनस्क्रीन नजर आएंगे शाहिद

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर और अनन्या पांडे को हाल ही में आईआईएफए 2022 के अवॉर्ड्स इवेंट्स में परफॉर्म करते हुए देखा जा चुका है। दोनों की एक साथ परफॉर्म करते हुए देखने के उपरांत बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई कास्टिंग डायरेक्टर्स की निगाह शाहिद कपूर और अनन्या पांडे की जोड़ी पर है।

हालांकि फैंस भी शाहिद कपूर और अनन्या पांडे को बतौर लीड जोड़ी के रूप में देखने की प्रतीक्षा कर रहे है। खैर आपको अब और उम्मीद करने की जरूरत नहीं है क्योंकि शाहिद के पास अब आपके लिए जिसका जवाब है कि क्या हम उन्हें और अनन्या को जल्द ही एक मूवी में साथ देख सकते हैं।

शाहिद कपूर और अनन्या पांडे को आईआईएफए 2022 में शानदार प्रदर्शन करते हुए देखा जा चुका है। परफॉर्म करते हुए मंच पर दोनों की केमिस्ट्री बहुत जंच रही थी। ऐसे में अब दोनों एक्टर्स के एक मूवी के लिए एक साथ आने की संभावना के बारे में बहुत ज्यादा चर्चाओं में बनी हुई है।

मीडिया के साथ एक इंटरव्यू में शाहिद कपूर से पूछा गया कि क्या हम फ्यूचर में उन्हें एक साथ स्क्रीन पर देख सकते है। अभिनेता ने जवाब देते हुए कहा कि अनन्या एक प्यारी लडकी है लेकिन इस तरह के सवाल निर्देशकों और मूवी निर्माताओं से पूछे जाने चाहिए क्योंकि अभिनेताओं को अपनी को-स्टार चुनने का मौका नहीं मिल पाया है, जितना लोग मानते हैं, कम से कम इस पीढ़ी में तो नहीं।

शाहिद कपूर जल्द ही विजय सेतुपति के साथ वेब मूवी फर्जी में दिखाई देने वाले है।

मूवी का निर्देशन राज और डीके कर रहे हैं। इस सीरीज में के के मेनन, राशी खन्ना और अनुभवी स्टार अमोल पालेकर जैसे शानदार अभिनेता दिखाई देने वाले है, जो अमेजन प्राइम मूवी में शाहिद के मेंटर की भूमिका निभाते हुए दिखाई देते हैं। इस सीरीज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है।

विक्रम वेधा से एक्शन अवतार में वापसी कर रहे हैं ऋतिक और सैफ

पुष्कर और गायत्री द्वारा निर्देशित ऋतिक रोशन और सैफअली खान स्टारर अपकमिंग फिल्म विक्रम वेधा की शूटिंग पूरी हो गई है। इस फिल्म में राधिका आप्टे भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म में ऋतिक और सैफ के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बात करते हुए, निर्देशक पुष्कर और गायत्री ने कहा , हमारे देश के प्रमुख सुपरस्टार ऋतिक और सैफ के साथ शूटिंग करना एक शानदार अनुभव रहा है।

हमारे सुपर टैलेंटेड और अद्भुत क्रू के साथ, हम स्क्रिप्ट स्तर पर जो हमने कल्पना की थी, उसे हासिल करने में सक्षम रहें। हम दर्शकों को अपनी फिल्म दिखाने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते। 3 साल बाद एक्शन से भरपूर अवतार में बड़े पर्दे पर वापसी कर रहें ऋतिक रोशन ने शेयर किया, वेधा बनना मेरे पहले किए गए सभी कामों से एकदम अलग है।

मुझे हीरो होने के सांचे को तोडना था और एक अभिनेता के रूप में पूरी तरह से अनएक्सप्लोरड टेरिटरी में कदम रखना था। यह सफर ऐसा लगा जैसे कि मैं ग्रैजुएशन कर रहा था। मेरे रिलेंटलेस निर्देशक पुष्कर और गायत्री ने मुझे एक ट्रेडमिल पर रखा, चुपचाप मुझे सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

सैफअली खान, राधिका आप्टे, रोहित सराफऔर योगिता बिहानी के साथ काम करने से मुझे एक कलाकार के रूप में और प्रेरणा मिली। उन्होंने आगे कहा, पीछे मुडक़र देखता हूं.. मैं वह वेधा बन गया जो मैंने किया, क्योंकि विक्रम के रूप में सैफअली खान की पॉवरफुल प्रेजेन्स थी। वह हर तरह से अभूतपूर्व है।

वहीं सैफने फिल्म के बारे में अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा, पुष्कर और गायत्री महान रचनात्मक ऊर्जा के साथ काफी डायनेमिक जोड़ी हैं और उनके साथ काम करना बहुत फायदेमंद रहा है। ऋतिक के साथ काम करना और कुछ इंटेंस एक्शन सीन करना मेरे लिए एक बेहतरीन अनुभव था।

भारतीय लोककथा विक्रम और बेताल पर आधारित विक्रम वेधा एक बेहतरीन एक्शन क्राइम थ्रिलर है, जो एक सख्त पुलिस अधिकारी की कहानी बताती है जो एक खतरनाक गैंगस्टर का पता लगाने और उसको पकडने के लिए निकल पड़ता है। यह फिल्म निस्संदेह सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है क्योंकि यह दो दशकों के बाद एक हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म है जिसके लिए दो सुपरस्टार्स ने एक साथ सहयोग किया है।

यह फिल्म पुष्कर और गायत्री द्वारा निर्देशित और एस शशिकांत और भूषण कुमार द्वारा निर्मित है। फिल्म में ऋतिक रोशन और सैफअली खान और राधिका आप्टे प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म में रोहित सराफ, योगिता बिहानी, शारिब हाशमी और सत्यदीप मिश्रा भी आशाजनक भूमिकाओं में हैं।

विक्रम वेधा ने अक्टूबर 2021 में फिल्मांकन शुरू किया, और अबू धाबी, लखनऊ और मुंबई में विभिन्न शेड्यूल के बाद, फिल्म की मुख्य फोटोग्राफी सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। पोस्ट-प्रोडक्शन का काम अब पूरे जोरों पर है और विक्रम वेधा 30 सितंबर, 2022 को दुनिया भर में बड़े पैमाने पर रिलीज होने के लिए तैयार है।(आरएनएस)

भारत बदल गया!

हरिशंकर व्यास

बदलने का अर्थ है 140 करोड़ लोगों के दिमाग का बदलना। बुद्धि का जड़ होना। जिंदगी के हर मामले में मार्केटिंग, झांकियों, झूठ, इलहाम, भक्ति, इबादत, धर्म की पुरानी इतिहास अवस्था वाला व्यवहार। हिंदू हो या मुसलमान या कोई और धर्मावलंबी या सेकुलर, भारत में सभी के दिमाग अब बिना आप्शन और विचार के हैं। हिंदू दिमाग में धर्म के अलावा कुछ नहीं तो मुसलमान की मनोदशा भी ऐसी ही। लोगों को न वर्तमान की सुध है और न भविष्य की। जिंदगी की सच्चाईयों, समझदारी, ज्ञान-विज्ञान आधुनिकता, वैज्ञानिकता, विकल्पों का तो खैर सवाल ही नहीं।

उस नाते नरेंद्र मोदी, भाजपा सरकार और संघ परिवार सचमुच कामयाब है। भारत का जन-जन नई दिमागी अवस्था में है। धर्म ने दिमाग में बाकी सभी चीजों की सफाई कर दी है। ब्रेनवाश की यह अवस्था हिंदू और मुसलमान दोनों में समान गहराई से है। सब मोटा-मोटी यह ख्याल बनाए हुए हैं कि हमें धर्म के लिए लडना है। बताना है कि हम अधिक धार्मिक हैं। धर्म ही जीवन, धर्म ही समाज, धर्म ही आर्थिकी, धर्म ही राजनीति और धर्म से ही रक्षा तथा आन-बान-शान है! इसलिए भारत का हर शहर, हर कस्बा, और हर गांव लोगों की इस दिनचर्या में जीता हुआ है कि आज का दिन धर्म-कर्म पर क्या व्हाट्सएप चर्चा लिए हुए है। हिंदू क्या करता हुआ है तो मुसलमान क्या? हम कम नहीं हैं। बता देंगे इनको इनकी औकात।

एक छोटे शहर की दिनचर्या में लोगों का ऐसे कितना सोचना हो गया है, इसका हाल में मैंने प्रत्यक्ष अनुभव लिया। हर बात का अंत हिंदू और मुसलमान में मिला। कोई माने या न माने भारत का हिंदू अब इसलिए कर्मकांडी हिंदू है क्योंकि उसे इस्लाम और मुसलमान को दिखलाना है कि हम तुमसे अधिक धर्मावलंबी हैं! सचमुच पाठकों को भी अपने शहर, अड़ोस-पड़ोस की धार्मिक गतिविधियों पर गौर करना चाहिए। धार्मिक गतिविधियों की कैसी स्थायी सुनामी हो गई है। मुझे बचपन की याद में ध्यान है कि पहले घरों में कभी-कभार सत्यनारायण की कथा होती थी। मंगलवार को हनुमानजी के मंदिर जाते थे। महिलाएं व्रत, उपवास रखा करती थीं लेकिन अब हर दिन, धर्म का दिन और कई तरह की कथाओं व पुरूषों के भी दिन विशेष या एकादशियों पर व्रत, धार्मिक आयोजनों का सामाजिक दिखावा सामान्य बात है।

तभी नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार से ब्राह्मण धन्य हैं। आठ वर्षों में महानगरों, नगरों, गांव-कस्बों में सर्वाधिक मांग पंडितों, पुजारियों की बढ़ी है और सर्वाधिक विस्तार मंदिरों का हुआ है। ब्राह्मणों की सामाजिक प्रतिष्ठा और कमाई बढ़ी है तो कथावाचकों के नाते ब्रांडिंग भी गजब! भाजपा के सांसदों, विधायकों और नेताओं की देखा-देखी अब दूसरी पार्टियो के नेताओं से लेकर नगर सेठों, एससी-एसटी सभी छोटी-बड़ी जातियों में होड़ है कि वे भी धर्म-कर्म की गतिविधियों में आगे दिखलाई दें। तभी पूजा-पाठ, भक्ति, प्रवचन, पर्व कथाओं और मूर्तियों-मंदिरों के नवीनीकरण, पुनर्स्थापना, पुनरूप्राण प्रतिष्ठा आदि आयोजनों की बाढ़ आई है। मंदिरों, तीर्थयात्राओं में गजब भीड़। लगता है छुट्टियों में घूमने और पर्यटन का पुराना आइडिया अब 70-80 फीसदी धार्मिक यात्रा में परिवर्तित है। हर मंदिर नई रौनक, नए शृंगार में चकाचक। लोग कथा सुनने के लिए राजस्थान से रामेश्वर जा रहे हैं। चारधाम की यात्राओं के लिए हेलीकॉप्टर सेवा के लिए मारामारी है तो एक यात्रा पूरी हुई नहीं कि अगली कैलाश यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर यात्रा के साथ यह चर्चा भी कि वहां कुछ पैदल चलना होगा, क्या चल पाएंगें! प्रदेश सरकारों ने तीर्थयात्रा करवाने की स्कीमें बनाईं लेकिन अब सांसद-विधायक और हिंदू सेनानी चुपचाप पूरी रेल या डिब्बे बुक करवा कर शहर में हल्ला करवाते हैं कि फलांजी की कथा रामेश्वर में हो रही है तो गर्मियों में साउथ घूमने के साथ वहां भागवत कथा का भी आनंद लो।

मोटा-मोटी हर दिन भागवत कथा, सुंदरकांड, नरसिंह कथा, फलां पर्व, फलां ग्यारस-एकादशी, सोमवार, मंगलवार, गुरूवार, शनिवार के व्रत और पाठ में पंडितों, कथावाचकों की वह नई डिमांड है जो शायद जिलों और शहरों में डॉक्टरों की भी नहीं होगी।

और सबसे चौंकाने वाली बात जो पुण्य प्राप्ति-इच्छा-रोग निदान के लिए साधु-संतों, ज्योतिषियों, पंडितों, कथा, कथावाचकों की डिमांड में भी मेडिकल और शिक्षा संस्थाओं के एजेंटों जैसा ताना-बाना। एक दिलचस्प किस्सा सुनने को मिला। कलक्टरी के एक बाबू ने रिटायर होने से साल भर पहले प्रधानों-सरपंचों को पटा कर अपने आपको कथाज्ञानी बतला गांवों में भागवत बांची। कथावाचक के रूप में चर्चा कराई। रिटायर होने तक इतनी चर्चा करा दी कि अब पूरे जिले में वह भी कई कथावाचकों में एक स्थापित कथावाचक। रिटायर होने के बाद पैसा तो लोग पांव भी छूते हुए।

कुल मिलाकर जैसे मुसलमान की दिनचर्या में पांच दफा नमाज है तो हिंदू नौजवान हो या प्रौढ़, सभी सुबह उठते ही धर्म दिखलाते मिलेंगे। भगवानजी के दर्शनों के व्हाट्सएप पोस्ट देखेंगे, भेजेंगे, फारवर्ड करेंगें और बहस बनाएंगे कि फलां एकादशी आज है या कल। गीता, रामायण, भागवत या पर्व विशेष की कथा का सार बनाकर भक्तों को मैसेज प्रसारित करेंगे। तभी यदि कोई व्हाट्सएप पर धर्म चर्चा का हिसाब लगाए तो निश्चि ही हिंदू उसमें नंबर एक साबित होंगे।

कांग्रेस का पटेल चैप्टर बंद

गुजरात में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी का पटेल चैप्टर बंद हो गया। कांग्रेस के डेकोरेटेड पटेल नेता हार्दिक पटेल पार्टी छोड़ कर चले गए हैं और अब भारतीय जनता पार्टी व नरेंद्र मोदी की जय जयकार कर रहे हैं। तो दूसरी ओर नरेश पटेल ने ऐलान कर दिया है कि वे अभी सक्रिय राजनीति में नहीं उतरेंगे। ध्यान रहे नरेश पटेल प्रभावशाली लेउवा पटेल समुदाय के नेता हैं और श्रीखोडलधाम ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि समाज से जुड़े वरिष्ठ लोग नहीं चाहते हैं कि वे राजनीति में उतरें। वैसे भी प्रशांत किशोर के साथ कांग्रेस की डील फेल होने के बाद से ही लग रहा था कि नरेश पटेल कांग्रेस से दूर रहेंगे। ध्यान रहे प्रशांत किशोर के कांग्रेस के साथ जुड़ने के समय ही नरेश पटेल के कांग्रेस में शामिल होने की चर्चा हुई थी। प्रशांत किशोर ने ही उनकी कांग्रेस के बड़े नेताओं से मुलाकात कराई थी। पटेल की भी शर्त थी कि अगर प्रशांत किशोर कांग्रेस को चुनाव लड़ाते हैं तभी वे कांग्रेस से जुड़ेंगे। अब चूंकि उन्होंने सक्रिय राजनीति में उतरने से ही इनकार कर दिया इसलिए कांग्रेस से जुड़ने का सवाल ही नहीं है। इस तरह कांग्रेस एक बार फिर पटेल राजनीति करने से दूर हो गई। वैसे भी गुजरात में कांग्रेस कभी भी पटेल राजनीति नहीं करती थी। पिछले 30 साल से ज्यादा समय से पटेल भाजपा को वोट करते रहे हैं। पटेलों के उलट कांग्रेस का फोकस खाम समीकरण यानी क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी और मुस्लिम पर होता है। (आरएनएस)

क्या यह समाधान है?

यूक्रेन युद्ध के बाद बने हालात में तीन दशक पहले आई वैश्वीकृत अर्थव्यवस्था डावांडोल हो गई है। इससे सिर्फ वे देश उबर पाएंगे, जो ताजा हालात में नया सोचने का जज्बा दिखाएंगे। बाकी उपाय महरम पट्टी हैं, जिनसे समस्या दूर नहीं होगी।

भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दर में अपेक्षा से अधिक बढ़ोतरी की है। अगर पिछले महीने अचानक की गई बढ़ोतरी को भी ध्यान में रखें, तो आरबीआई ब्याज दर को दो महीनों के अंदर 90 आधार अंक- यानी लगभग एक फीसदी- बढ़ा चुका है। बैंक के सामने दो चुनौतियां हैं- बढ़ती महंगाई और देश से विदेशी पूंजी के हो रहे पलायन को रोकने की। तो यही दो कसौटियां हैं, जिन पर मौद्रिक नीति में लाए गए बदलाव की सफलता या नाकामी को परखा जाएगा।

ताजा बढ़ोतरी के बावजूद रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। स्पष्टतरू यह बैंक और भारत सरकार के तय लक्ष्य से काफी ऊंचा है। तो ब्याज दर बढने से तुरंत महंगाई काबू में आएगी, इसकी उम्मीद रिजर्व बैंक को भी नहीं है। दूसरी तरफपूंजी का पलायन अमेरिका में ब्याज दर बढने से हो रहा है। वहां हो रही बढ़ोतरी से रिजर्व बैंक की बढ़ोतरियां मुकालबा कर पाएंगी, ये आस जोडना किसी नजरिए से यथार्थवादी नहीं होगा।

दूसरी तरफ ब्याज दर बढने का असर उन कारोबारियों/ लोगों पर पड़ेगा, जिन्होंने आसान मौद्रिक नीति के दौर में उदारता से कर्ज लिया। अब चाहे वो कर्ज उद्यम लगाने के लिए लिया गया हो, या मकान या कार खरीदने के लिए- उन पर चुकाई जाने वाली किस्तें बढ़ जाएंगी। महंगाई और अधिक किस्त चुकाने के दबाव में उनका उपभोग खर्च घटेगा, ये अनुमान सहज लगाया जा सकता है। तो पहले से ही कम मांग की समस्या से जूझ रहे बाजार पर यह एक और मार होगी। फायदा सिर्फउन लोगों को होगा, जिन्होंने फिक्स्ड डिपोजिट जैसी योजनाओं में निवेश कर रखा है। बहरहाल, यह कहा जा सकता है कि आरबीआई ने जो कदम उठाए हैं, उनके अलावा उसके पास कोई और विकल्प भी नहीं है। विकल्प अगर किसी के पास हो सकता है, तो वह सरकार है। अर्थशास्त्री मानते हैं कि कोरोना महामारी और खास कर यूक्रेन युद्ध के बाद तीन दशक पहले आई वैश्वीकृत अर्थव्यवस्था डावांडोल हो गई है। इससे सिर्फ वे देश उबर पाएंगे, जो ताजा हालात में नया सोचने का जज्बा दिखाएंगे। बाकी उपाय महरम पट्टी हैं, जिनसे समस्या दूर नहीं होगी।(आरएनएस)

कैमरे के सामने निया शर्मा ने खोले...!

टेलीविजन् इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस निया शर्मा अपनी हॉट अदाओं के लिए बहुत लोक्रपिय हैं। आए दिन वो अपनी कातिलाना फोटोज सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। निया शर्मा ने एक बार फिर अपनी ऐसी तस्वीर साझा कर दी है कि लोगों का दिल संभालना भी मुश्किल हो रहा है।

वही निया शर्मा सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी एक तस्वीर साझा की है, जिसमें उनका हॉट अंदाज देखने को मिल रहा है। निया शर्मा ने ब्लू डेनिम की क्रॉप शर्ट पहनी हुई है तथा साथ ही जींस पहनी हुई है, किन्तु उन्होंने इस शूट के लिए जींस की बटन तक खोल दी। निया का ये स्टाइल प्रशंसकों को बहुत पसंद आ रहा है।

निया शर्मा अपने जबरदस्त अभिनय के दम पर इंडस्ट्री में ऊंचा मुकाम हासिल कर चुकी हैं। हालांकि, यहां तक आने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की है। टेलीविजन् शोज से अपने करियर का आरम्भ करने वाली निया अब म्यूजिक वीडियोज में अपने हुस्न के जलवे बिखेर रही हैं।

निया के प्रशंसक आज केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में मौजूद हैं। निया भी अपने प्रशंसकों के साथ जुड़ी रहने की हर मुमकिन प्रयास करती हैं। निया अपने प्रशंसकों के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं। अक्सर सोशल मीडिया पर उनके नए लुक की झलक देखने को मिलती रहती हैं।

हिंदी के लिए खुला विश्व-द्वार

वेद प्रताप वैदिक

संयुक्तराष्ट्र संघ में अभी भी दुनिया की सिर्फछह भाषाएं आधिकारिक रूप से मान्य हैं। अंग्रेजी, फ्रांसीसी, चीनी, रूसी, हिस्पानी और अरबी! इन सभी छह भाषाओं में से एक भी भाषा ऐसी नहीं है, जो बोलने वालों की संख्या, लिपि, व्याकरण, उच्चारण और शब्द-संख्या की दृष्टि से हिंदी का मुकाबला कर सकती हो। इस विषय की विस्तृत व्याख्या मेरी पुस्तक च्हिंदी कैसे बने विश्वभाषा?ज् में मैंने की है। यहां तो मैं इतना ही बताना चाहता हूं कि हिंदी के साथ भारत में ही नहीं, विश्व मंचों पर भी घनघोर अन्याय हो रहा है लेकिन हल्की-सी खुशखबर अभी-अभी आई है।

संयुक्तराष्ट्र संघ की महासभा ने अपने सभी च्जरुरी कामकाजज् में अब उक्त छह आधिकारिक भाषाओं के साथ हिंदी, उर्दू और बांग्ला के प्रयोग को भी स्वीकार कर लिया है। ये तीन भाषाएं भारतीय भाषाएं हैं, हालांकि पाकिस्तान और बांग्लादेश को विशेष प्रसन्नता होनी चाहिए, क्योंकि बांग्ला और उर्दू उनकी राष्ट्रभाषाएं हैं। यह खबर अच्छी है लेकिन अभी तक यह पता नहीं चला है कि संयुक्तराष्ट्र के किन-किन कामों को च्जरुरीज् मानकर उनमें इन तीनों भाषाओं का प्रयोग होगा।

क्या उसके सभी मंचों पर होनेवा ले भाषणों, उसकी रपटों, सभी प्रस्तावों, सभी दस्तावेजों, सभी कार्रवाइयों आदि का अनुवाद इन तीनों भाषाओं में होगा? क्या इन तीनों भाषाओं में भाषण देने और दस्तावेज़ पेश करने की अनुमति होगी? ऐसा होना मुझे मुश्किल लग रहा है लेकिन धीरे-धीरे वह दिन आ ही जाएगा जबकि हिंदी संयुक्तराष्ट्र की सातवीं आधिकारिक भाषा बन जाएगी। हिंदी के साथ मुश्किल यह है कि वह अपने घर में ही नौकरानी बनी हुई है तो उसे न्यूयार्क में महारानी कौन बनाएगा?

हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं और हिंदी देश में अधमरी (अर्धमृत) पड़ी हुई है। कानून-निर्माण, उच्च शोध, विज्ञान विषयक अध्यापन और शासन-प्रशासन में अभी तक उसे उसका उचित स्थान नहीं मिला है। जब 1975 में पहला विश्व हिंदी सम्मेलन नागपुर में हुआ था, तब भी मैंने यह मुद्दा उठाया था और 2003 में सूरिनाम के विश्व हिंदी सम्मेलन में मैंने हिंदी को सं.रा. की आधिकारिक भाषा बनाने का प्रस्ताव पारित करवाया था।

1999 में भारतीय प्रतिनिधि के नाते संयुक्तराष्ट्र में मैंने अपने भाषण हिंदी में देने की कोशिश की लेकिन मुझे अनुमति नहीं मिली। केवल अटलजी और नरेंद्र मोदी को अनुमति मिली, क्योंकि हमारी सरकार को उसके लिए कई पापड़ बेलने पड़े थे। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने भरसक कोशिश की कि हिंदी को संयुक्तराष्ट्र की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिले लेकिन कोई मुझे यह बताए कि हमारे कितने भारतीय नेता और अफसर वहां जाकर हिंदी में अपना काम-काज करते हैं? जब देश में सरकार का सारा महत्वपूर्ण काम-काज (वोट मांगने के अलावा) अंग्रेजी में होता है तो संसार में वह अपना काम-काज हिंदी में कैसे करेगी? अंग्रेजी की इस गुलामी के कारण भारत दुनिया की अन्य समृद्ध भाषाओं का भी लाभ लेने से खुद को वंचित रखता है। देखें, शायद संयुक्त राष्ट्र की यह पहल भारत को अपनी भाषायी गुलामी से मुक्त करवाने में कुछ मददगार साबित हो जाए!

मकान से चोरी के मामले में तीन नामजद

संवाददाता

देहरादून। मकान का ताला तोडकर लाखों का सामान चोरी करने व मकान पर कब्जे का प्रयास करने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेहूंवाला माफी निवासी अवधेश प्रताप ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह मूल रूप से दिल्ली का रहने वाला है। उसने एक भूमि श्रीमति मीता गुप्ता पत्नी संजय कुमार गुप्ता निवासी टर्नर रोड क्लेमेंट टाउन, देहरादून से अप्रैल 2007 में खरीदी थी। उसने अप्रैल 2015 में इस भूमि पर निर्माण कार्य शुरू किया एवं 2कमरे, टायलेट – वाथरूम, एक रसोई घर अपने रहने के लिये बनवाया एवं गेट पर अपना नेम प्लेट भी लगवाया। इसके बाद इस मकान में वह अपने साजो-समान के साथ रहने लगा। चूंकि उसका काम दिल्ली में था इसलिए बीच-बीच में आकर इस मकान मे 1-2 दिन रहता था। 20 जून 2022 को जब वह अपने मकान पर आया तो देखा मैन गेट एवं दोनों कमरो का ताला टूटा हुआ है सारा सामान कपडे, बेडीग, रसोई का सामान ,फर्नीचर, बिजली का सामान आदि की चोरी हो गई है। सिर्फ घर मे एक दो कुर्सिया, एक लकड़ी का बेड एवं उसके जूते-चप्पल पड़े मिले। आसपास के लोगों ने उसको बताया कि शौकिन ने सुनीता व मौहम्मद मेहताज के साथ मिलकर मेरे घर मे रखे सामान की चोरी करके कही ले गए है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मुकदमा वापस ना लेने पर मारपीट कर घायल किया, आठ नामजद

संवाददाता

देहरादून। मुकदमा वापस ना लेने पर मारपीट कर घायल करने के मामले मे पुलिस ने एक ही परिवार के आठ लोगों को नामजद कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीदेव सुमन नगर निवासी श्रीमती मेहनाज ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पति ने इरशाद पुत्र असगर, परवीन पत्नी इरशाद, आरिफ, असद, शाहनाज पत्नी पप्पू व अरशु पुत्रगण इरशाद निवासी श्री देव सुमन नगर के खिलाफ वर्ष 2021 में मुकदमा दर्ज कराया था। उक्त व्यक्तियों द्वारा उसके पति पर मुकदमा वापिस लेने के लिये अनावश्यक दबाव बनाया जाने लगा। इरशाद पुत्र असगर. परवीन पत्नी इरशाद, आरिफ, असद, शाहनाज पत्नी पप्पू, अरशु पुत्रगण इरशाद व रुकसाना पत्नी इरशाद व दो अज्ञात व्यक्तियो ने 22 जून को रात्रि मे जब उसका पति अपने घर आ रहा था तो समस्त व्यक्तियो द्वारा जान से मारने की नियत से एक राय होकर उसके पति पर सरिया और डन्डो से हमला किया माँ बहन की गन्दी-गन्दी गालिया दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मिशन मर्यादा के तहत पुलिस ने चार हुक्केबाजों के खिलाफ की चालानी कार्यवाही

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। चारधाम यात्रा के मद्देनजर पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान मिशन मर्यादा के तहत पुलिस ने एक बार फिर चारधाम यात्रियों के बीच चार हुक्केबाजों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ पुलिस अधिनियम के चालानी कार्यवाही की गयी है। बता दें कि इन दिनों चारधाम यात्रा अपने चरम पर है। इन यात्रियों के बीच कुछ हुड़दंगी किस्म के लोग भी घुल मिल गये है। जो आस्था का सम्मान न करते हुए नशे बाजी में लिप्त है। पुलिस द्वारा ऐसे लोगों के खिलाफ मिशन मर्यादा के तहत चालानी कार्यवाही की जा रही है। इस क्रम में केदारनाथ पुलिस ने चार हुक्केबाजों को दबोच लिया। जिन्हे केदारनाथ धाम की पवित्रता और यहां की मर्यादा के बारे में बताया गया। चूंकि ये मर्यादा तो लांघ ही चुके थे तो इनके खिलाफ पुलिस अधिनियम के तहत चालानी कार्यवाही भी की गयी है। जिनके नाम अमित निवासी खेड़ी, मेरखा, जिला कैथल हरियाणा, राजनाथ निवासी करौंदा, जिला संगरूर पंजाब, मनदीप निवासी करौंदा, जिला संगरूर पंजाब व गुरमीत निवासी करौंदा, जिला संगरूर पंजाब है।

ग्राम पंचायत गिन्नी में ग्राम पंचायत को नशामुक्त बनाने का संकल्प पारित किया

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। गिरगांव के बाद उससे लगे ग्राम पंचायत गिन्नी में भी महिलाओं की अगुवाई में ग्राम पंचायत को नशामुक्त बनाने का संकल्प पारित किया गया है। महिलाओं ने सभी घरों सहित गिन्नी बैण्ड की दुकानों में जाकर इस गांव को पूर्ण नशामुक्त बनाने के लिए सहयोग की अपील की है। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने आज नेतृत्व कर रही महिलाओं को फोन कर उनकी पीठ थपथपाई। कहा कि वे शीघ्र गिन्नी गांव आकर इस गांव को भी गोद लेने की घोषणा करेंगे।

सीमांत विकास खंड के ग्राम पंचायत गिरगांव के बाद गिन्नी दूसरा ग्राम पंचायत है, जिसने पूर्ण शराब बंदी की घोषणा की है। बीते रोज ग्राम प्रधान मीना राणा की अध्यक्षता में हुई बैठक में महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं तथा जागरूक पुरुषों की एक बैठक हुई। जिसमें तय किया गया है कि ग्राम पंचायत गिन्नी में नशें के सभी प्रकारों पर रोक रहेगी।

महिलाओं ने तय किया है कि पूजा, पाठ, विवाह, नामकरण, उन्नयन संस्कार सहित भवनों के लिंटर आदि सार्वजनिक समारोहों में शराब पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाई जाएगी।

बैठक में तय होने के बाद महिलाओं द्वारा घर –घर जाकर ग्राम पंचायत के १६७ परिवारों से शराबमुक्ति अभियान में भागीदारी करने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि गिन्नी बैण्ड स्थित दुकानदारों से भी सहयोग की अपील की गई है।

महिला स्वयं सहायता समूहों की अध्यक्ष धाना देवी राणा, कोषाध्यक्ष कमला राणा ने आज जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया को फोन द्वारा अपने अभियान की जानकारी दी। मर्तोलिया ने कहा कि सरकार क्या करती है, हम केवल अपने गांव तथा घर को नशे से बचाने के लिए विचार विमर्श कर नशामुक्त समाज बनाने के लिए आगे आएं।

उन्होंने महिलाओं के इस अभियान की तारीफ करतें हुए कहा कि वे शीघ्र गांव में आकर इस गांव को भी गोद लेकर यहां विकास कार्यों की बौछारें करवायेंगे। उन्होंने ग्रामवासियों से इस अभियान को सफल बनाने हेतु सहयोग देने की अपील की।

महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने इस अभियान की सफलता के लिए कमर कस ली है। उन्होंने कहा कि आख़िरी दम तक वे गिन्नी गांव को नशामुक्त बनाकर ही दम लेंगे।

इस अवसर पर वयोवृद्ध सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल सिंह नेगी, गंगा राम, पुष्कर राणा, चंचल राणा, जसमल सिंह नेगी,नारायण राणा, ग्राम प्रधान मीना राणा, धाना देवी राणा, कमला देवी राणा, दीपा मेहरा, ज्योति नेगी, बसंती राणा, पुष्पा राणा, नारायणी, उदीमा, देवकी, कुसुमा,नथुली,हिमम्ती देवी आदि मौजूद रहे।

शान्ति भंग की आशंका के चलते आठ गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। शान्ति भंग की आशंका के चलते पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार कर उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना सिडकुल पुलिस को सूचना मिली कि विनायक कम्पनी सिडकुल के बाहर सड़क पर कुछ लोग आपस में लड़ाई झगड़ा कर रहे है तथा एक दूसरे को मरने मारने पर उतारू है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनो पक्षों को समझाने का प्रयास किया गया लेकिन पुलिस बल की मौजूदगी में भी दोनो पक्ष लड़ने मरने पर उतारू रहे। जिस पर पुलिस ने शांन्ति भंग होने की आशंका के चलते दोनो पक्षों के आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके नाम मौजूराम, अंशुल, शुभम, सुमित, शुभम, शेखर, विक्की व अंकित कुमार बताये जा रहे है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

40 साल पहले छोडकर गयी, अब मांग रही सम्पत्ति में हिस्सा

संवाददाता

देहरादून। चालीस साल पहले पति को छोडकर गयी पत्नी अपने दूसरे पति व बेटे के साथ आकर सम्पत्ति में हिस्सा मांगने के नाम पर धमकाने लगी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पिताम्बर पुर बलियावाला निवासी राकेश कुमार ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि बताया कि उसकी पत्नी सुनिता वर्ष 1981 में उसको छोडकर अपने मायके चली गयी थी जिसके बाद सुनीता ने अपने जीजा बाबूलाल से विवाह कर लिया था। उसके पिता ओमप्रकाश का देहान्द 5 दिसम्बर 2020 को हो गया था और उसके पिता ओमप्रकाश ने अपने जीवनकाल में एक वसियत तैयार की थी जिसमें सुनीता व उसके बच्चों का कोई हिस्सा नही दिया गया था। वसीयत में उसके पिता ने अपने दो पुत्र राजेश व राकेश तथा तीन पुत्रिया मीरा, धनवन्ती व राखी को ही अपना वारीस बनाया था। सुनीता द्वारा 26 अप्रैल 2022 से 28 अप्रैल तक कुछ अज्ञात लोगो के साथ मिलकर उनकी जमीन पर अवैध कब्जे का प्रयास करते हुये जमीन पर खूटे तथा तारबाड लगा दी ओर जमीन में दो जगह दो अलग-अलग टीन शैड के कमरे बना लिये जहा पर इनके द्वारा कुछ अज्ञात आपराधिक किस्म के लडके रखे। पुलिस से शिकायत करने के बाद यह लोग कुछ दिन चुप रहे। लेकिन 23 जून को सुनीता व अरुण कुछ असमाजिक तत्वो को साथ लेकर जमीन पर ट्रेक्टर लेकर आये और जबरन मना करने पर जान से मारने की धमकी दी गयी। उक्त लोगो से उसको व उसके परिवार को जान माल का खतरा बना हुआ है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक नजर

गुजरात दंगा: पीएम मोदी सहित 64 लोगों को क्लीन चिट के खिलाफ याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने २००२ के गुजरात दंगे मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी सहित ६४ लोगों को विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा क्लीन चिट दिए जाने को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। एसआईटी की रिपोर्ट के खिलाफ याचिका जाकिया जाफरी ने दायर की थी, जो दंगों में मारे गए, कांग्रेस के सांसद एहसान जाफरी की पत्नी हैं। न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने एसआईटी की मामले को बंद करने संबंधी रिपोर्ट के खिलाफ दायर जकिया जाफरी की याचिका को खारिज करने के, विशेष मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के आदेश को बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा और कहा कि जाफरी की याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। एहसान जाफरी २८ फरवरी २००२ को अहमदाबाद में गुलबर्ग सोसाइटी में मारे गए ६८ लोगों में शामिल थे। इससे एक दिन पहले गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस के एक डिब्बे में आग लगा दी गई थी, जिसमें ५६ लोग मारे गए थे। इन घटनाओं के बाद ही गुजरात में दंगे भड़क गए थे। एहसान जाफरी की पत्नी जाकिया जाफरी ने एसआईटी की रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर चुनौती दी थी।

भूकंप प्रभावित अफगानिस्तान को भारत ने भेजी 27 टन आपात राहत सामग्री

नयी दिल्ली। भारत ने भूकंप प्रभावित अफगानिस्तान के लोगों की मदद के लिए सबसे पहले सहायता प्रदान करते हुए दो विमानों से वहां २७ टन आपात राहत सामग्री भेजी है। विदेश मंत्रालय के शुक्रवार को जारी बयान के अनुसारए अफगानिस्तान में २२ जून को आए शक्तिशाली भूकंप के कारण व्यापक तबाही एवं जानमाल का नुकसान हुआ है। बयान के मुताबिकए भारत सरकार ने सबसे पहले सहायता प्रदान करते हुए दो विमानों से वहां २७ टन आपात राहत सामग्री काबुल भेजी जिसमें तंबू, स्लीपिंग बैग, कंबल, चटाई आदि शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि राहत सामग्री की खेप काबुल में मानवीय सहायता मामलों संबंधी संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओसीएच) और अफगान रेड क्रीसेंट सोसाइटी (एआरसीएस) को सौंपी जायेगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतए संकट की इस घड़ी में अफगानिस्तान के लोगों के साथ एकजुटता के साथ खड़ा है जिनके साथ हमारे सदियों पुराने संबंध हैं।

एकनाथ शिंदे ने किया दावा, उनके साथ हैं 50 विधायक!

गुवाहाटी। एक बागी शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने दावा किया है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ उनके साथ ५० विधायक हैं। इसमें ४० शिवसेना के हैं। एकनाथ शिंद साथी बागी विधायकों के साथ इस समय असम में मौजूद हैं। असम में भाजपा की सरकार है। एक टीवी चौनल के अनुसार एकनाथ शिंदे ने कहा, लगभग ४० शिवसेना के विधायक साथ हैं। जिन्हें हम पर भरोसा है, वे हमारे साथ जुड़ेंगे। हम बालासाहब ठाकरे की विचारधारा को आगे बढ़ाना चाहते हैं, जो इसे पसंद करेंगे वे साथ आएंगे। ५८ साल के शिंदे ने यह भी कहा कि बागी विधायकों को अयोग्य घोषित करने के लिए उठाया गया कदम अवैध है। उन्होंने कहा, कल जो किया गया वह अवैध है, उनका कोई अधिकार नहीं है। हम बहुसंख्यक लोग हैं और लोकतंत्र में संख्या महत्वपूर्ण हैं। यह अवैध है, यहां तक कि वे इस तरह का निलंबन भी नहीं कर सकते। हम इससे नहीं डरेंगे। बता दें कि सामने आ रही रिपोर्ट्स के अनुसार शिंदे जरूरी ३७ विधायकों की संख्या जुटा चुके हैं। इससे दलबदल विरोधी कानून का उल्लंघन किए बिना विधानसभा में पार्टी को विभाजित किया जा सकता है। खबरों के अनुसार कल तक शिंदे साथ शिवसेना के ३७ विधायक और ६ निर्दलीय थे। शिंदे ने ये भी कहा कि बागी विधायकों और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बीच किसी तरह की चर्चा नहीं हुई है।

उत्तराखंड की समान नागरिक संहिता विशेषज्ञ समिति करेगी दिल्ली से कार्य

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता की घोषणा को मुख्यमंत्री की घोषणा माना जा रहा है लेकिन मुख्यमंत्री कार्यालय के लोक सूचना अधिकारी द्वारा स्पष्ट किया गया है कि समान नागरिक संहिता संबंधी मुख्यमंत्री की कोई घोषणा जारी नहीं की गयी है। गृह विभाग द्वारा उपलब्ध सूचना के अनुसार इस सम्बन्ध में दो शासनादेश 27 मई 2022 तथा 10 जून 2022 गृह विभाग द्वारा जारी किये गये है। इस बाबत मसौदा तैयार करने हेतु बनायी गयी विशेषज्ञ समिति मुख्य रूप से कैंप कार्यालय दिल्ली से कार्य करेगी तथा इसका खर्च उत्तराखण्ड पुलिस मुख्यालय द्वारा वहन किया जायेगा।

काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री कार्यालय के लोक सूचना अधिकारी से उत्तराखंड में समान नगारिक संहिता पर कार्यवाही के सम्बन्ध में सूचनायें मांगी थी। इसके उत्तर में मुख्यमंत्री कार्यालय के लोक सूचना अधिकारी/अनुसचिव चिंरजी लाल ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री कार्यालय के अभिलेखानुसार "समान नगारिक संहिता" सम्बन्धी कोई घोषणा जारी नहीं की गयी है। इस सम्बन्ध में गृह विभाग स्तर से कार्यवाही की संभावना के चलते इस सूचना प्रार्थना पत्र को गृह विभाग को हस्तांतरित कर दिया गया। गृह विभाग के लोक सूचना अधिकारी/अनुसचिव ने इस सम्बन्ध में सूचना देने की तिथि तक कार्यवाही का विवरण व सम्बन्धित शासनादेशों की प्रतियां उपलब्ध करायी हैं। उपलब्ध सूचना के अनुसार 4 पूर्व न्यायाधीशों सहित 9 नामों पर विचार के उपरान्त 27 मई 2022 से 5 सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया।

❑समिति का खर्च वहन करेगा गृह विभाग व उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय

उपलब्ध शासनादेश से विशेषज्ञ समिति के उत्तरादायित्व कार्यालय व अध्यक्ष व सदस्यों की वेतन भत्ते, मानदेय, सुविधाओं तथा खर्च वहन को स्पष्ट किया गया है। इसमें यह भी स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री द्वारा नामित एक सदस्य सचिव होंगे जो समय-समय पर समिति की बैठके आयोजित कराने एवं शासन से समन्वय स्थापित करने का काम करेंगे। विशेषज्ञ समिति के प्रमुख कार्य व उत्तरदायित्वों में उत्तराखंड राज्य में निवास करने वाले समस्त नागरिकों के व्यक्तिगत नागरिक मामलों को नियंत्रित करने वाले प्रसंगिक कानूनों का मसौदा तैयार करना, उत्तराखंड मे प्रचलित कानूनों में संशोधन तथा सुझाव उपलब्ध कराना, विवाह, तलाक सम्पत्ति के अधिकार एवं उत्तराधिकार, विरासत, गोद लेने एवं रखरखाव तथा संरक्षणता के सम्बन्ध में वर्तमान में प्रचलित कानूनों में एकरूपता लाने के लिये मसौदा तैयार करना तथा उत्तराखंड राज्य में समान नागरिक संहिता के लिए मसौदा तैयार करना शामिल हैं। समिति का कार्यकाल 6 माह होगा, जो 6 माह के भीतर अपनी आख्या मुख्यमंत्री को प्रस्तुत करेगी। समिति का एक कार्यालय देहरादून तथा एक कार्यालय नई दिल्ली/नोएडा में स्थापित किया जायेगा। अध्यक्षता के कैम्प कार्यालय में 3 विधि सहायक तथा 6 व्यक्तियों (आशुलिपिक कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं चतुर्थ कर्मी सहित) की नियुक्ति की जायेगी। समिति के कार्यालय हेतु फर्नीचर एवं उपकरणों की व्यवस्था दिल्ली में नोडल अधिकारी अजय मिश्रा द्वारा तथा देहरादून में राज्य सम्पत्ति अधिकारी द्वारा की जायेगी। शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि कार्यालय/आवास के बिजली एवं पानी आदि के बीजक स्थानिक आयुक्त कार्यालय के माध्यम से उत्तराखंड शासन को उपलब्ध कराने पर भुगतान गृह विभाग के बजट से किया जायेगा। विशेषज्ञ समिति के अध्यक्षा के पूर्व मे आवंटित वाहन (मय चालक) एवं ईधन पर व्यय तथा समिति के वेतन/मानदेय/सुविधाओं का भुगतान गृह विभाग द्वारा स्वीकृत पर पुलिस मुख्यालय द्वारा किया जायेगा।

एजेंसी ने पुराने वाहन को नया बताकर बेचा, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। एजेंसी ने पुराने वाहन को नया बताकर बेच दिया तथा एक ही वाहन की तीन इनवायस बनाकर अलग-अलग रकम भरकर सरकार को राजस्व की हानि पहुंचाने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिमला बाईपास हसनपुर शेरपुर निवासी अमीर हसन ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने एक वाहन अधिकृत डीलर दून ट्रेकिंग एलएलपी स्थित कुंआवाला से क्रय किया था, जिसके प्राधिकृत डीलर कनिष्क खन्ना पुत्र चन्द्र प्रकाश खन्ना निवासी- नैनीताल रोड, भोटिया पडाव ,हल्द्वानी, नैनीताल है व सेल्समेन(एलएलपी)के द्वारा उसको वाहन नया बताकर विक्रय किया था परन्तु दोनों आरोपियो ने षडयंत्र रचकर पुराना वाहन नया बताकर बेईमानी की नियम से उसको बेचा है इसकी जानकारी उसको तब हुई जब उसका वाहन दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुआ और उसने अपने वाहन का बीमा क्लेम किया साथ-साथ उसको एक पत्र भी माह फरवरी 2022 में प्राप्त हुआ जिसमें कनिष्क खन्ना एवं सेल्स मेन(एल0एल0पी0) के षडयंत्र का सम्पूर्ण खुलासा था। उसको आर्थिक हानि के साथ- साथ मानसिक हानि भी कारित हुई। आरोपियों ने एक ही वाहन के तीन अलग- अलग इनवायस अलग-अलग रकम भर कर जारी किये हुए है, जो कि राज्य सरकार के कर की चोरी करना दर्शित करता है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सेकण्ड हैन्ड स्कूटी खरीदने के नाम पर गंवाये 1 लाख 96 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। सेकण्ड हैन्ड स्कूटी खरीदने के नाम पर एक लाख 96 हजार रूपये गंवाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छिददरवाला निवासी चतर सिह ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने इस्टाग्राम पर सेकण्ड हैन्ड स्कूटी का विज्ञापन देखा जिसमे स्कूटी की कीमत 22 हजार रूपये अकिंत था। उसने उपरोक्त स्कूटी खरदीने के लिए मोबाइल से शशांक शर्मा से सम्पर्क किया तो उपरोक्त व्यक्ति द्वारा स्वम को आर्मी पर्सन बताया गया व उसके बटसप पर उसने अपनी आईडी केटीन कार्ड भेजा था जिस पर आधार कार्ड व भारतीय थल सेना का केन्टीन कार्ड भेजने पर उसको यह विश्वास हो गया कि उपरोक्त व्यक्ति लोकल है और साथ मे भारतीय सेना मे भी है। उसने वाहन को क्रय करने हेतू शशाक शर्मा से सम्पर्क किया था तो उन्होने उसको दो हजार रूपये भेजने को कहा तो उसके द्वारा 2,000 रूपये शशाक शर्मा को गूगल पे के माध्यम से भेजा उसके पश्चात शशांक शर्मा द्वारा बताया गया कि वह हल्द्वानी मे जॉब करता है और स्कूटी की पेपर देहरादून मे कहीं फसे हुए है तो फिर शंशाक शर्मा द्वारा उससे 20 हजार रूपये की माग की गयी जिसे उसके द्वारा शशांक शर्मा द्वारा बताये गए खाता एचडीएफसी बैक खाते में हस्तान्तरित किये गये। इसके पश्चात विभिन्न मदों म ` 1,96,000 रूपये उसके द्वारा शशाक शर्मा को अदा किये गये किन्तु उसको आज तक स्कूटी की डिलीवरी नहीं हो पायी है। अब शांशाक शर्मा का फोन बंद हो गया है। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ ठगी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।